

न लुदानवाक् ॥ ह म न न्याजं ता म र व म त म र्य व स दान न य निष्क ॥ वा निष्क रा स्य द व ह वा क्त ध य व अ दो ग्व म ति व
या नी र मिता ध य ता य व नि र ता व या स र्व म म द र्क न म न या धिय व न ता क म्प या व न स न य म न प्र धि स्य वे दान न ति व
रा व ति स्ता स्य ति ॥ ॥ ॥ न त ल दान विधि ॥ ॥

वि

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ नमः पुनः ॥ मित्रलज्जं विष्णुं ॥ सगुणकलनागचयुदीयकायनागधीशं नुनयकं
गन्धनजलदलयश्वायमल्लसवनवृक्षवायवर्धनकादिकि (शिवश्च यन्मित्रमनन्तकडुनेवासुकि ॐ नमः ॥ नमः ॥
यश्च जलमग्निरवयानने जलककोटिके वायुविकुलिकलिखन ॥ ॥ थकायनासमल्लसवनवृक्षविदिवाजदनाभकु
याभननमः ॥ ॥ यश्च सखानवाभकुनू वीरनिधि ॥ ॥ दकिनसमासयुष्यनागभकुसिन्नन ॥ ॥ यन्मित्रमसकोभकुम
शिकावीरकंसक्रुद्ध ॥ ॥ उरुसयुवाभकुडाहावाजमल ॥ ॥ ॐ नमः ॥ पुनः वीरमृष्टिभकुकंस ॥ ॥ जलमग्निरवयान
वीरकक्रुद्धनभकुक्रुद्ध ॥ ॥ निजल्लयियकाभकुकंसक्रुद्ध ॥ ॥ वायुवायुगोयुहाम्भकु वीरनाडान ॥ ॥ दकिन
वैशमन ॥ ॥ किनावतिनासं ज्वमूग्वमयनदास्यकायनाथयनायायादिगविदिगसंयवाकिदाननकृयक ॥ मल

[illegible]

[illegible]

का उद्धर्तव्यं नृपतामनं नमामि ह ॥ ५ ॥ यत्नदसुकसुवाहं सुखाददमहावलं वं वनवयवाहवसुगासनं नम
 मिहं ॥ ६ ॥ गुरुयाज्ञशि नयवशुक्लवर्णमहाबालं सदाकल्याणविहं प्रियवाकं कनसाम्मिहं ॥ ७ ॥ उद्ध
 वक्रापीनवर्णं वदुवदयानगकमगुलं अकसुर्वहं साहृदं नमाम्मिहं ॥ ८ ॥ नागवाजं दुधवर्णकृपा
 ऊर्लिकलपूठं यच्छयनिर्गणं शयनार्गं नमाम्मिहं ॥ ९ ॥ यथिविकलमध्वर्णं वज्रमृगकुसुमं यत्नं
 सद्यैककनकवर्णं यच्छासनं नमामिहं ॥ १० ॥ गगनजलपाशध्वनं गगनजलदवतागिरावतापगता
 मध्यध्वनमात्रयुतं गगनलैरुल्लसध्वगिरावयनं ॥ गताश्रयमगुलमल्लवैकाग्रनयनमालं यत्नद्वयविव
 कावाकं वनूधं वृषं उकसर्वद्विहं उक्तं वल्लसकदं धांकृतं वामननागवागध्वनं दक्षिणनाहं यत्नदी ॥

पूर्वदलज नरु नाग ना नील वल्ली विरुद्ध ॥२॥ दकि (गंय) नाग नागा गु क्त वल्ली य रं दृष्ट ॥३॥ यश्चिमदल
 नरु क नाग नागा न क वल्ली न व दृष्ट ॥४॥ इरु न वा सु कि नाग नागा न्या स वल्ली स क दृष्ट ॥५॥ वी मा न स दाय द नाग
 नागा वल्ली स क दृष्ट ॥६॥ अग्र य द ल गं य या ल नाग नागा पी वल्ली स क दृष्ट ॥७॥ ने स त्य क क र ट क नाग
 नागा वल्ली स क दृष्ट ॥८॥ वा य व क लिक नाग नागा कं क म वल्ली स क दृष्ट ॥९॥ ल स मू डा वि ग या स्वा रु मु स मा
 य को ना स म यं क ल्य सं य स्था ना उ द हि ला री व नू द व व अ क ल नाग भिय न य वृ द र्ज व दिय य ना वि ना य नाग वृ मु
 तु व स्व ॥ अथ वा ॥ अ न ॥ अ म्मा क ना र व स व र्ज व क मु म अ न द र व रि गि लि नी य न्न वा म्ब न रू द्वा ला क ला न व नू द
 स मु ल मु क्त रा वं नू या व का गि स म्म य व न म्मि मा ला अ क रि न र्ग य वि व र्ज न टा क ला रं य रू द्वा वि गि न गि त व मु वि रू विः

ता क । स या रु या क य नि स मु त द स य द म्म वा म वि गि र्ग य नि द मु क म मु नू रू ॥ उं वा व का अग्र य स्वा दा ॥ उ द हि म दा
 रू त द व वि र्जि ज स रु म गृ ही वा रु नि म दा नू ता सिं । स त्रि दि ता रु व स्वा दा ॥ उं ट कि उ ३ रू ३ ट कि ना र म यु ॥ अ य
 ना ला री न ॥ य ना । य य ना ग ॥ उं ओ ४ व नू द य रू नै रू स्वा दा ॥ म अ ॥ उं अ नै ना य रू नै रू स्वा दा ॥ उं य मा य रू नै रू स्वा
 दा ॥ उं न क का य रू नै रू स्वा दा ॥ उं वा म्म किय रू नै रू स्वा दा ॥ उ ॥ उं म दा य या य रू नै रू स्वा दा ॥ वी ॥ उं म र व
 या नी य रू नै रू स्वा दा ॥ अ न ॥ उं क को ट का य रू नै रू स्वा दा ॥ ने ॥ उं क लिका य रू नै रू स्वा दा ॥ वा ॥ यं ला यं सु
 नि ॥ व नू द म द या म दा ना र य ४ स स द व व व स्वि न स लार्थ य स दा नि र्ग व नू द य न म्म न ॥ ॥ उं सर्व त था ग र का य
 वि र्ज म ध न स्वा दा ॥ क ल म्म रि य क । म र व लं व न दा य ॥ उं व ज द र्ग न रू ॥ क ल न क न ॥ उं व पु ना द व ज व नू न नाग भिय न

यस्मिन् विद्युद्वरहं ३८८ स्वाहा ॥ द्वादशायकसंघत ॥ ॥ उं ग्रीवजसखआ ॥ १ ॥ उं खगुजाहं हं हं स्वाहा ॥ तता नलसि
 मावियलं खसाया ॥ तता हवयक नमी ॥ विदि ॥ भाषन ॥ उं आ ४ हं ॥ यत्र स्मेत्यादि ५ ॥ ॥ गंगा वनूद्य मुखं वं कात्र ननु व
 रुतधमानं शुक्रवर्जं विरावन् ॥ रावता ॥ ॥ उं अग्नमस्वाहा ॥ यत ॥ उं अयति तदन वजाय स्वाहा ॥ महाकृष्ण ॥ उं अ
 मृतनगाय स्वाहा ॥ उं वजाय स्वाहा ॥ ॥ यतद्वीकृणु ॥ ॥ ॥ उं वज वनूद्य यदं स्वाहा ॥ वरुं सि ॥ उं वा चिवकाय
 स्वाहा ॥ उं नंग न सि ॥ उं वज यहाय स्वाहा ॥ इमं न सि ॥ उं वज नगाय स्वाहा ॥ यिनाय सि ॥ उं वज कृव नाय स्वाहा ॥
 उ न सि ॥ उं वसुद को नाय स्वाहा ॥ अम्वे न सि ॥ उं सर्वया यदहन वजाय सर्वया यदहन २ स्वाहा ॥ ॥ यत गिन ॥ उं व ज वृथ
 स्वाहा ॥ ॥ भाषा न ॥ उं वज वगय स्वाहा ॥ त्यक् ॥ उं वज वीजाय स्वाहा ॥ स्वानवा ॥ उं वज नागाय स्वाहा ॥ नाम ॥ उं सर्वार्थ

सिद्धस्वाहा ॥ नकायका ॥ उं सर्वसंयद स्वाहा ॥ उद न विबुधा ॥ उं वज वर्जन रुलाय स्वाहा ॥ रुलादिकाल सि ॥ उं अग्नीषीत
 स्वाहा ॥ रुकि वीज वृथा हव वस मृत मिश्रित नहा नवा ॥ उं आ ४ हं स्वाहा ॥ सुदुवृत् ॥ सकि ९ न ससादका ॥ सैर वरुया
 ॥ यं ला स मुग ॥ गं खं श रुयान ॥ रुष्टा नामिका र्थी ॥ गही शा गं खये के इ ग्व इ वी कृणु सदिग न नल रुना रुगि १२ कात्र
 यत ॥ यथमा रुति वीकं स्व सि वाय उं अन रु वागु किय्यादि यथा निमिलं ॥ उं नल रु रुनिं व नी कृ स्वाहा ॥ मूल मरुत
 रु गेद य रु रुयान ॥ यं ला स मुग ॥ ॥ तता नल वृक्ष नाव मर्ग कात्र यत ॥ ला कारु न रुना ग्नि विराया ॥ जलाग्नेय य
 नागु रु द्वा न कमल वृद्धा सनाय निम पुला प्रियति वीरु निश्चित्र विद्रु वीरु यनिना मधम पुला प्रियति समपुल यम्विराया ॥
 रुान सख कश्चि नमि व सम न सित न सख कीरुग ॥ ॥ विधि र्थं द वयजा ॥ स्वनाग रावना ॥ स्व मपुला प्रियति म रु न रु वा

1853-1854

BIBLIOTHEQUE (B)